भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1945

06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महत्वपूर्ण औषधीय संपदा और जैव विविधता

1945. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को बरगढ़ जिले के नरसिंहनाथ में गंधमर्दन पर्वत की महत्वपूर्ण औषधीय संपदा और जैव विविधता की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की इस क्षेत्र की विशिष्ट जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए औषधीय पौधों पर केन्द्रित एक केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) और क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (आरआरआई) स्थापित करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार पारंपरिक चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के लिए नरसिंहनाथ में एक विशेष अस्पताल/प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय और आयुष योग केंद्र स्थापित करने पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा गंधमर्दन पर्वत के प्राकृतिक एवं औषधीय संसाधनों की सुरक्षा के लिए इसे राष्ट्रीय संरक्षित क्षेत्र घोषित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए इस क्षेत्र के औषधीय संसाधनों का उपयोग और संवर्धन करने के लिए आयुर्वेदिक औषधि उद्योगों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): जी हाँ, सरकार को बरगढ़ जिले के नरसिंहनाथ में गंधमर्दन पर्वत की महत्वपूर्ण औषधीय संपदा और जैव विविधता की जानकारी है। राज्य औषधीय पादप बोर्ड, ओडिशा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गंधमर्दन पर्वत में 220 औषधीय पौधे हैं और बरगढ़ वन प्रभाग तथा ओडिशा जैव-विविधता बोर्ड ने पारंपरिक औषधीय उपयोग वाली 150 प्रजातियों को दर्ज किया है।

(ख): सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है, तथापि, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), भुवनेश्वर, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक बाह्य इकाई है, जो ओडिशा में गंधमर्दन पहाड़ियों के मेडिको-एथनो-बोटनिकल संबंधी अध्ययनों में संलग्न है।

(ग): जी नहीं।

(घ): ओडिशा सरकार ने दिनांक 20.03.2023 को बोलांगीर और बरगढ़ वन प्रभागों के अंतर्गत स्थित गंधमर्दन पहाड़ियों को उस क्षेत्र में पाए जाने वाले औषधीय पौधों सहित जैव विविधता को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए जैविक विरासत स्थल (बीएचएस) घोषित किया है।

(ङ): जी नहीं।

*****